भारत को दुनिया की महानतम अर्थव्यवस्था बनाने के लिये हमें क्या करना है आज?

1. क्या हम कुछ समय के लिए सभी प्रकार की नकारात्मकता को दूर कर इस बात पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं कि हमारी क्या ताकत अभी भी हमारे साथ बनी हुई है?
2. इस असंभव से लगते लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, क्या हमें अपनी छिपी हुई ताकत का लाभ नहीं उठाना चाहिए?
3. क्या हम देख सकते हैं कि हमने अपने साथी देशवासियों के संयुक्त प्रयासों से क्या हासिल किया है?
4. इस प्रयोजन के लिए क्या हम निम्नलिखित तालिका जो दर्शाती है आकलन वर्ष 2018-19 के लिए सभी आयकर दाताओं की कुल कितनी आय है देख सकते हैं?
5. क्या यहाँ हम यह देख सकते हैं कि 5 87 13 458 व्यक्तियों ने सामूहिक रूप से कुल आय 51,33,084 करोड़ अर्जित की; जो क्या औसतन 874260 रूपए प्रति व्यक्ती नहीं होती है?
6. क्या ३१ मार्च 2018 को लगभग 587 लाख लोगों की व्यक्तिगत आय के इस स्तर के साथ हमारी जीडीपी 125.6591लाख करोड़ रुपए या कुल आय की लगभग 2.25 गुना रिपोर्ट नहीं की गई थी?
7. तो क्या मात्र $5 ट्रिलियन लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हमारी कुल आय इसके 40% से ऊपर नहीं होनी चाहिए? जो कि लगभग $ 2 ट्रिलियन

© कॉपीराइट 2020 पारकेम्प®

1.1 All Taxpayers – Gross Total Income (AY 2018-19)

Range (in INR)	No. of Returns	Sum of Gross Total Income (In Crore INR)	Average Gross Total Income (In Lakh INR)
< 0	-	-	-
= 0	10,60,699	-	-
>0 and <=1,50,000	32,78,464	23,913	0.73
>1,50,000 and <= 2,00,000	15,14,259	26,790	1.77
>2,00,000 and <= 2,50,000	40,66,014	95,288	2.34
>2,50,000 and <= 3,50,000	1,46,01,109	4,45,031	3.05
>3,50,000 and <= 4,00,000	51,14,649	1,90,744	3.73
>4,00,000 and <= 4,50,000	42,34,753	1,79,769	4.25
>4,50,000 and <= 5,00,000	38,53,282	1,82,931	4.75
>5,00,000 and <= 5,50,000	30,56,165	1,59,874	5.23
>5,50,000 and <= 9,50,000	1,13,85,025	8,03,439	7.06
>9,50,000 and <= 10,00,000	6,18,506	60,275	9.75
>10,00,000 and <=15,00,000	31,07,334	3,71,710	11.96
>15,00,000 and <= 20,00,000	10,48,557	1,80,129	17.18
>20,00,000 and <= 25,00,000	5,39,765	1,20,097	22.25
>25,00,000 and <= 50,00,000	8,08,991	2,73,501	33.81
>50,00,000 and <= 1,00,00,000	2,59,026	1,77,374	68.48
>1,00,00,000 and <=5,00,00,000	1,37,858	2,64,859	192.12
>5,00,00,000 and <=10,00,00,000	14,128	98,072	694.17
>10,00,00,000 and <=25,00,00,000	8,416	1,30,074	1,545.56
>25,00,00,000 and <=50,00,00,000	3,032	1,05,669	3,485.14
>50,00,00,000 and <=100,00,00,000	1,564	1,09,374	6,993.20
>100,00,00,000 and <=500,00,00,000	1,498	3,04,119	20,301.70
>500,00,00,000	364	8,30,050	2,28,035.75
Total	**5,87,13,458**	**51,33,084**	

Notes

1. Gross Total Income is the income before chapter VI-A deduction as computed in the "Computation of Total Income" schedule of return of income.
2. The "Sum of Gross Total Income" is the sum of Gross Total Income of all returns within the value range slab.
3. The "Average Gross Total Income" is the average Gross Total Income within the value range slab i.e. "Sum of Gross Total Income" divided by total number of returns within the value range slab.
4. Apart from the number of taxpayers who filed return of income as above, approximately 2.12 crore taxpayers paid taxes but did not file return for AY 2018-19.

या रुपयों में 144.30 लाख करोड़ है। (शनिवार 29 फरवरी 2020 को

© कॉपीराइट 2020 पारकेम्प®

@ 1 USD = रुपए 72..15 की दर से)क्या सामूहिक रूप से हमने पहले ही 51.33 लाख करोड़ रुपये की आय प्राप्त नहीं कर ली है? इसलिए क्या हमें केवल 92.97 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त नहीं कमाने होंगे?

8. क्या आज हमारे यहां लगभग 25 करोड़ परिवार नहीं हैं? क्या उनमें से लगभग 6 करोड़ पहले से ही लगभग नौ लाख की औसत आय उत्पन्न नहीं कर रहे हैं?
9. क्या बाकी बचे हुये 19 करोड़ परिवार अतिरिक्त 93 लाख करोड़ की आय उत्पन्न नहीं कर सकते? जिससे हमारे औसत परिवार की कमाई 4 89 315 हो जाये? दूसरे शब्दों में, हर किसी की सालाना आय 98 हजार हो जाये।
10. लेकिन क्या सिद्धांत रूप में भी इस प्रकार का समतावाद या यूटोपिया ढाई गुना प्रभाव उत्पन्न कर सकता है? क्या आपकी 5 साल की बेटी या अस्सी वर्ष की मेरी माँ; ऐसी किसी गतिविधि में भाग ले सकती हैं?
11. क्या इसलिए यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि हम इस स्तर पर सभी को अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए मजबूर नहीं कर सकते?
12. अब क्या सवाल नहीं उठता है कि हम आज के माहौल में किस समूह से ऐसी महत्वाकांक्षाओं की आपूर्ति की उम्मीद कर सकते हैं?
13. क्या हमें इस चुनौती का हल करने के लिए अन्य विकल्पों का पता नहीं लगाना चाहिये?
14. आइये कुछ विकल्पों पर विचार करें.
15. विकल्प एक: क्या हम विचार नहीं कर सकते हैं, सिर्फ 1981 और 2001 के बीच पैदा हुए व्यक्तियों का; जो अपनी भरी जवानी में हैं जो नौ

© कॉपीराइट 2020 पारकेम्प®

लाख रुपये के वर्तमान औसत से अधिक कमाने की महत्वाकांक्षा भी रखते हों?

16. दूसरे विकल्प में क्या हम 1961 और 1981 के बीच पैदा हुए ऐसे लोगों पर विचार नहीं कर सकते हैं जो वर्तमान में औसत से नीचे कमा रहे हों?
17. तीसरा विकल्प क्या हम वरिष्ठ नागरिकों को जीवन के अपने अनुभवों का लाभ उठाने और वर्तमान औसत से अधिक "कमाई करने के लिए नहीं कह सकते है?
18. विकल्प एक में हमारे पास लगभग 34,54,08,339 लोग हैं लेकिन उनमें से शायद केवल 70% ही 9 लाख से अधिक कमाने की कोई महत्वाकांक्षा और क्षमता रखते हों; सो क्या हम इस खंड में केवल 24,17,85,837 पर विचार कर सकते हैं?
19. परिदृश्य दो में हमारे पास लगभग 24, 40, 94,326 लोग हैं लेकिन उनमें से 30% शायद ही 9 लाख से अधिक कमाने की कोई महत्वाकांक्षा और क्षमता रखते हों; इसलिये क्या हम इस खंड में केवल 17, 08, 66,028 पर विचार कर सकते हैं?
20. परिदृश्य तीन में हमारे पास लगभग 7, 81, 46,681 बुजुर्ग हैं, लेकिन उनमें से शायद ही 30% शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम हों अतएव क्या हम इस खंड में केवल 5, 47, 02,677 पर विचार कर सकते हैं?
21. क्या तीनों परिदृश्यों पर विचार करने पर हमारे पास 46, 73, 54,542 व्यक्तियों की एक विशाल संभावना नहीं है?

© कॉपीराइट 2020 पारकेम्प®

22. लैकिन दिमागी कमतरता, सामाजिक हठधर्मिता, परिवारों की रूढ़िवादी प्रकृति, शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम होने की स्थिति, लिंग संबंधी पूर्वाग्रह, अनिश्चितताओं का डर और अतिसंवेदनशील मन में संदेह इत्यादि से ग्रस्तता के कारण; उनमें से 80% अभी जहां है वहीं बने रहना पसंद नहीं करते हैं क्या? आज के करोना के दौर में किसी भी महत्वाकांक्षी भविष्य की आशा में विश्वास करना क्या उनके लिये सम्भव भी है?
23. लेकिन फिर भी प्रसिद्ध 80 20 नियम के अनुसार शेष 20% को उनमें छिपे जोश, स्झान और संभावित योग्यता की पहचान करके क्या सशक्त व सक्षम नहीं बनाया जा सकता है?
24. क्या हमारे पास 9 34 70 908 या तकरीबन ९ करोड़ संभावित लोग भी नहीं हैं? जो साल में दस से पचास लाख कमाने की यात्रा शुरू करके (९ करोड़ लोग X रुपये 10 लाख = 90 ट्रिलियन या) 90 लाख करोड़ रुपये मौजूदा अर्थव्यवस्था में नहीं जोड़ सकते?
25. क्या सिर्फ ९ करोड़ लोग; यदि प्रति वर्ष दस लाख रुपये कमाते हैं; अर्थव्यवस्था के टपकन सिद्धांत द्वारा हमें आसानी से $ 5 ट्रिलियन इकोनॉमी तक नहीं पहुँचा देंगे?
26. क्या ठीक इसी जगह अपनी दिमागी कसरत मैं एक पेंच नज़र अन्दाज नहीं हो गया हमसे? जो क्या वैसा ही नहीं है जैसा पटवारी साहब सपरिवार नदी पार करते समय नदी की गहराई और अपने परिवार के सदस्यों की ऊंचाई का औसत निकालने में कर बैठे थे?
27. यहां क्या हम भी बड़े खर्च करने वाले समूह की ताकत को ठीक उसी तरह औसत की आड़ मे छिपाकर नजर अन्दाज नहीं कर रहे थे?

© कॉपीराइट 2020 पारकेम्प®

28. क्या यह 10 लाख से 50 लाख के बीच की कमाई करने वालों का वर्ग नहीं है? जो मात्र 56 लाख लोगों का ही है.
29. जब इस वर्ग में 56 लाख लोग थे तब हमारी जीडीपी दो ट्रिलियन डॉलर थी; इसके सोलह गुना लोगों के, इस समूह में प्रवेश करने पर, हमारी जीडीपी सत्तावन (57) ट्रिलियन डॉलर पर पहुंचने से कौन रोक सकता है?
30. दो साल पहले तक संपूर्ण विश्व की जीडीपी 87 ट्रिलियन डॉलर ही थी.
31. क्या अब सवाल नहीं उठता है कि: क्या कदम उठाए जाने चाहिए?
32. क्या हमारे सामने एक और सवाल नहीं उठता है कि: हम जनसंख्या का इतना बड़ा हिस्सा कहां तैनात कर सकते हैं?
33. पढ़ने के लिए यह बहुत बड़ा बनाने के डर से; यहां मैं अपने पहले से लिखे गए उत्तर की लिंक डाल रहा हूं जो आसानी से हमें अन्य व्यावहारिक चरणों के लिए मार्गदर्शन कर सकता है।
34. अजय सक्सेना का जवाब है कि भारत को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में कितना समय लगेगा? और हम इसे जल्दी करने के लिए अभी क्या कर सकते हैं?
35. यदि हममें से प्रत्येक इस दिशा में चिंतन करना शुरू कर दे और अन्य चार (जो कभी भी बदलाव के विचार को अपनाने वाले नहीं हैं) के विपरीत हर पाँच में से एक या हर दूसरे परिवार से एक; अपने"अस्सहाय्य-ग्रस्तता जनित हीन भावना वाले छोटे आराम क्षेत्र के वैयक्तिक कोश को तोड़ डालें; क्या हम इस लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त नहीं कर सकते हैं?

© कॉपीराइट 2020 पारकेम्प®

36. क्या हम इस पूरे विचार द्वारा स्वयम या अपने परिवार के किसी एक सदस्य या फिर कम से कम एक अन्य परिवार से एक व्यक्ति को इस समूह में पहुंचने को प्रेरित कर सकते हैं?
37. यदि वह व्यक्ति वार्षिक 10 लाख से 50 लाख के बीच की कमाई करने वालों के क्लब में शामिल होने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्रवाई आज शुरू करे तो राष्ट्र के प्रतिष्ठा पूर्ण लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता क्या?
38. ईकोभारत समूह जिसमें हम सभी सकारात्मक भारतीय लोग आते हैं ने इस महायज्ञ का बीड़ा उठाया है, इस सम्पूर्ण कार्यक्रम हैतु पारकेम्प भारत को इसके समन्वयन की जवाबदारी सौंपी है जिसने इस हैतु आपके योगदान की अपेक्षा मैं कुछ पर्याय उपलब्ध कराये हैं; जो इस प्रकार हैं
39. मैं भारत में दसलाखपति कैसै बन सकता हूं?
40. लॉक डाउन में हम घर बैठे पैसा कैसे कमा सकते हैं?
41. मैं कैसे इस लॉकडाउन से दस लाख या अधिक रुपये कमा सकता हूँ?
42. मैं अपने गाँव देहात से 2020 में दस लाख या अधिक कैसे कमा सकता हूँ?
43. कोरोनावायरस संकट के दौरान शुरू करने के लिए सबसे अच्छा व्यवसाय क्या है?
44. गाँव और छोटे कस्बों से बड़े पैमाने पर कौन सा नया व्यवसाय किया जा सकता है?
45. कौन सा इंटरनेट आधारित व्यवसाय छोटे कस्बों और गाँव में रह कर किया जा सकता है?

© कॉपीराइट 2020 पारकेम्प®

46. मैं अगले 15 दिनों में ऐसा क्या कर सकता हूँ; कि मेरे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की सिरमौर अर्थव्यवस्था बन जाये?
47. इससे पहिले कि कहीं आपका पड़ौसी, कमाई का लायसेंस (शिविर समन्वयक बनने का) लॉक करदे और आप आज की सन्धि को नज़र अन्दाज करके; जिन्दगी भर हाथ मलते रह जायें, अपने गांव के लिये; अपनी, कमाई का लायसेंस आज अभी लॉक कीजिये.

48. कुछ अन्य रास्ते जिन पर चलकर हमारी क्षमतानुसार हम मंजिल तक पहुंच सकते हैं
49. परामर्शक: यदि आप हमारे क्षेत्रीय सलाहकार की मदद से इस साइट की सामग्री को संभावित शिविर समन्वयकों तक पहुंचा सकते हैं तब अभी इसे पढ़िये और आगे बड़ना शुरू कीजिये.

50. क्षेत्रीय सलाहकार: यदि आप हमारे राज्य स्तरीय सलाहकार की मदद से इस साइट की सामग्री को संभावित पथ प्रदर्शकों तक पहुंचा सकते हैं तब अभी इसे पढ़िये और आगे बड़ना शुरू कीजिये.

51. राज्य स्तरीय सलाहकार: यदि आप अपने राज्य की भाषा में साइट की सामग्री का अनुवाद कर सकते हैं; और क्षेत्रीय सलाह कारों की मदद से संदेश पथ प्रदर्शकों तक पहुंचा सकते हैं तब अभी इसे पढ़िये और आगे बड़ना शुरू कीजिये.

52. भारत में अमीर कैसे बना जा सकता है जानने के लिये इसे पढ़िये और अमीर बनने के रास्ते पर आगे बड़ना शुरू कीजिये आज से.

© कॉपीराइट 2020 पारकेम्प®